TEST OUTLINES,
SYLLABI and READING COURSES

For

B.A. Part II (Hindi)
(Semester III & IV)

Academic Sessions
2026–27 and 2027–28

Under
Choice-Based Credit System (CBCS)
Scheme of

NEP 2020

PROGRAMME NAME: B.A. Part II

Estd. 1971

Department of Hindi
GURU NANAK COLLEGE BUDHLADA
AN AUTONOMOUS COLLEGE
Email id: gncbudhlada@yahoo.co.in
Website: www.gncbudhlada.org

SYLLABI, OUTLINES OF PAPERS AND TESTS FOR

स्नातक -द्वितीय

B.A. (Hindi) Part – II

Semester III & IV

For Session 2026-27,2027-28

Scheme of the Papers

BA II (Semester III) Program Code: B.A. Part II									
Paper Code	Paper Type	Name of the Paper	Internal	External	Total	Credits	Contact Hours per week		
							L	T	P
BAMJHIN2107T	MAJOR	हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-1	30	70	100	4	3	1	0
BAMNHIN2125T	MINOR	हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-1	30	70	100	4	3	1	0
BAMILHIN2126T	MIL	हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय	15	35	50	2	2	0	0
BASECHIN2127T	SEC	हिन्दी पत्रकारिता	30	70	100	3	3	0	0

BA II (Semester IV) Program Code: B.A. Part II									
Paper Code	**Paper Type**	**Name of the Paper**	**Internal**	**External**	**Total**	**Credits**	**Contact Hours per week**		
							L	**T**	**P**
BAMJHIN2207T	MAJOR	हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-2	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
BAMNHIN2225T	MINOR	हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-2	**30**	**70**	**100**	**4**	**3**	**1**	**0**
BAMILHIN2227T	MIL	हिन्दी साहित्य और व्याकरण	**15**	**35**	**50**	**2**	**2**	**0**	**0**
BAIDCHIN2226T	IDC	हिन्दी की नव्यत्तर गद्य विधाएं	**30**	**70**	**100**	**3**	**3**	**0**	**0**

CONTINUOUS ASSESSMENT (THEORY PAPERS)

1	Performance in Mid-Semester Test	12	06
2	Assignment/Project/Seminar	12	06
3	Attendance	06	03
4	Total assessment	**30**	**15**

SEMESTER-III

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session - 2026-27&2027-28

MAJOR-3

Paper code: BAMJHIN2107T

हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-1

क्रेडिट-4 कुल अंक-100

समय-3 घंटे लिखित परीक्षा-70 अंक

पास प्रतिशत-35 % आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को रीतिकाल के साहित्य व रीतिकालीन कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी रीतिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी रीतिकाल के साहित्य व कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. रीतिकाल – परिस्थितियां, प्रवृतियां, नामकरण, रीतिबद्ध काव्य धारा, रीतिसिद्ध काव्य धारा और रीतिमुक्त काव्य धारा, प्रमुख कवि– केशव, बिहारी और घन्नानन्द।
2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण।

खण्ड – ख

3. निर्धारित पुस्तक- गद्य- त्रिवेणी – सम्पादक डा. सुखविन्दर कौर बाठ, गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
   - (i) कहानियां- यह मेरी मातृभूमि है, वापसी।
   - (ii) एकांकी- सीमा रेखा, रीढ की हड्डी।
   - (iii) निबंध- साहित्य की महत्ता, कछुआ धर्म।

नोट-सप्ताह में दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगें, ग्रुप में विद्यार्थीयों की संख्या 05-07 तक रहेगी।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से अथवा रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12x2=24)
4. प्रश्न पत्र का भाग दो

   (i)इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12x1=12)

   (ii) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12x1=12)
5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघु प्रश्न पूंछे जाएंगे।(2x11=22)

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉनगेन्द्र ., नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण मांध्यमिक शिक्षा ,परिषद् ,ओड़िशा।
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. हिन्दी व्याकरण, सहदेव चौधरी, मानस पब्लिकेशन प्रा. लि. जयपुर।
7. कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER-III

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session 2026-27&2027-28

MINOR-3

Paper code: BAMNHIN2125T

हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-1

क्रेडिट-4 | कुल अंक-100

समय-3 घंटे | लिखित परीक्षा-70 अंक

पास प्रतिशत-35% | आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को रीतिकाल के साहित्य व रीतिकालीन कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी रीतिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी रीतिकाल के साहित्य व कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. रीतिकाल – परिस्थितियां, प्रवृतियां, नामकरण, रीतिबद्ध काव्य धारा, रीतिसिद्ध काव्य धारा और रीतिमुक्त काव्य धारा, प्रमुख कवि– केशव, बिहारी, घन्नानन्द।
2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण।

खण्ड – ख

3. निर्धारित पुस्तक- गद्य- त्रिवेणी – सम्पादक डॉ. सुखविन्दर कौर बाठ, गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
   (i) कहानियां- यह मेरी मातृभूमि है, वापसी।
   (ii) एकांकी- सीमा रेखा, रीढ की हड्डी।
   (iii) निबंध- साहित्य की महत्ता, कछुआ धर्म।

नोट-सप्ताह में दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगें, ग्रुप में विद्यार्थीयों की संख्या 05-07 तक रहेगी।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से अथवा रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12X2 = 24)
4. प्रश्न पत्र का भाग दो

(i)इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12x1=12)

(ii) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12x1=12)

5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघु प्रश्न पूछे जाएंगे।(2x11=22)

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉनगेन्द्र ., नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण माध्यमिक शिक्षा ,परिषद् ,ओड़िशा।
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. हिन्दी व्याकरण, सहदेव चौधरी, मानस पब्लिकेशन प्रा. लि. जयपुर।
7. कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER-III

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH)

IN HINDI

For the session - 2026-27&2027-28

MIL-1

Paper code: BAMILHIN2126T

हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय

क्रेडिट-02

समय- डेढ घण्टा

कुल अंक-50

पास प्रतिशत- 35%

लिखित परीक्षा-35 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-15 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों कोहिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों से अवगत करवाना।
3. हिन्दी भाषा के शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. हिन्दी वर्णमाला–स्वर, व्यंजन, हिन्दी की ध्वनियां और उनका उच्चारण स्थल।
2. पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थक शब्द और भिन्नार्थक शब्द।

खण्ड – ख

1. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप – राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, सृजनात्मक भाषा।
2. लिंग, वचन, विराम चिह्न, उपसर्ग, प्रत्यय, शुद्ध- अशुद्ध।

नोट - सप्ताह में दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगें, ग्रुप में विद्यार्थीयों की संख्या 05-07 तक रहेगी।

Jaleg

Soraj Rani

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के पहले भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से दो प्रश्नोंका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (6x2=12)
4. प्रश्न पत्र के दूसरे भाग मेंपाठ्यक्रमके खण्ड-ख में सेचार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (6x2=12)
5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। (1x11=11)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

1. हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. हिन्दी भाषा: अतीत और वर्तमान- डा उषालाल, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, कुरूक्षेत्र।
3. भारतीय आर्य भाषाएं और हिन्दी भाषा- सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान की रूपरेखा- ड़ॉ. रविदत्त कौशिक, संजय प्रकाशन नई दिल्ली।
5. प्रयोजनमूलकहिन्दी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण माध्यमिक शिक्षा ,परिषद् ,ओड़िशा।
7. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
8. हिन्दी व्याकरण, सहदेव चौधरी, मानस पब्लिकेशन प्रा. लि. जयपुर।

SEMESTER-III

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session 2025-26,2026-27&2027-28

SEC-3

Paper code: BASECHIN2127T

हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट-3 कुल अंक-100

समय-3 घंटे लिखित परीक्षा-70 अंक

पास प्रतिशत- 35% आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य-:

1. विद्यार्थियों को हिन्दी की तकनीकी भाषा से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास व विविध रूपों से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में समाचार पत्र के महत्त्व व उसके दायित्व से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल-:

1. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता में सम्पादन कला व सम्पादन कार्य को समझेंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता को रोज़गार के संदर्भ में ज्ञान अर्जित करेंगे।
3. विद्यार्थी पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं से जुड़ेगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
2. पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और प्रकार।
3. पत्रकार के गुण, साहित्यिक पत्रकारिता।

खण्ड – ख

1. समाचार लेखन:समाचार की परिभाषा, तत्व, समाचार लेखन के सोपान।
2. समाचार पत्र : स्वरूप और महत्त्व।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछें जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के पहले भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।(12x2=24)
4. प्रश्न पत्र के दूसरे भाग मेंपाठ्यक्रमके खण्ड-ख में सेचार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। (12x2=24)
5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x11=22)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची–

1. जन पत्रकारिता, जन संचार एवं जन सम्पर्क, सूर्य प्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
2. मीडिया लेखन – सिद्धांत और व्यवहार, चन्द्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
3. पत्रकारिता – विकास और विविध आयाम, सुशीला जोशी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
4. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत, कन्हैय अगनानी, राजस्थानी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
5. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिन्दी पत्रकारित और जनसंचार, ठाकुर दत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. चौथे स्तम्भ की चुनौतियां, हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला।

SEMESTER- IV

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session 2026-27,2027-28

MAJOR-4

Paper code: BAMJHIN2207T

हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-2

क्रेडिट-4 कुल अंक-100

समय-3 घंटे लिखित परीक्षा-70 अंक

पास प्रतिशत- 35% आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को आधुनिक काल के साहित्य व कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों में रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देना।
4. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी आधुनिक काल के साहित्य व कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों में लेखन कौशल उत्पन्न होगा।
4. विद्यार्थियों में नई रचनाएं पढ़ने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
5. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. आधुनिक काल –सामान्य परिचय, परिस्थितियां, हिन्दी की गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध।
2. अनुच्छेद लेखन, पत्र लेखन (निमंत्रण पत्र, शिकायत पत्र, समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र।

खण्ड – ख

1. निर्धारित पुस्तक- कहानी-माला- लालचन्द गुप्त मंगल (केवल पांच कहानियाँ – पुरस्कार, पत्नी, मेहमान, रसप्रिया, स्वराघात), विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।)

नोट - सप्ताह में दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगें, कम्पोजीशन ग्रुप में विद्यार्थीयों की संख्या 05-07 तक रहेगी।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से अथवा रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12X2=24)
4. प्रश्न पत्र का भाग दो

   (i) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12x1=12)

   (ii) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12x1=12)
5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x11=22)

सहायक पुस्तकें–

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

2.हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉनगेन्द्र ., नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

3.हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।

4.माध्यमिक हिन्दी व्याकरण माध्यमिक शिक्षा ,परिषद् ,ओड़िशा।

5.हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

6.हिन्दी व्याकरण, सहदेव चौधरी, मानस पब्लिकेशन प्रा. लि. जयपुर।

7.कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.हिन्दी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER- IV

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session - 2026-27&2027-28

MINOR-4

Paper code: BAMNHIN2225T

हिन्दी साहित्य का इतिहास, व्याकरण और हिन्दी साहित्य-2

क्रेडिट-4 कुल अंक-100

समय-3 घंटे लिखित परीक्षा-70 अंक

पास प्रतिशत- 35 % आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को आधुनिक काल के साहित्य व कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. विद्यार्थियों में रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देना।
4. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी आधुनिक काल के साहित्य व कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों में लेखन कौशल उत्पन्न होगा।
4. विद्यार्थियों में नई रचनाएं पढ़ने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
5. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. आधुनिक काल –सामान्य परिचय, परिस्थितियां, हिन्दी की गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध।
2. अनुच्छेद लेखन, पत्र लेखन (निमंत्रण पत्र, शिकायत पत्र, समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र।

खण्ड – ख

1. निर्धारित पुस्तक- कहानी-माला- लालचन्द गुप्त मंगल (केवल पांच कहानियाँ – पुरस्कार, पत्नी, मेहमान, रसप्रिया, स्वराघात), विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।)

नोट - सप्ताह में दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगें, कम्पोजीशन ग्रुप में विदयार्थीयों की संख्या 05-07 तक रहेगी।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1.यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से अथवा रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12X2=24)
4. प्रश्न पत्र का भाग दो

   (i) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12x1=12)

   (ii) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12x1=12)
5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x11=22)

सहायक पुस्तकें–

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

2.हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉनगेन्द्र ., नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

3.हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य प्रकाशन, नई दिल्ली।

4.माध्यमिक हिन्दी व्याकरण माध्यमिक शिक्षा ,परिषद् ,ओड़िशा।

5.हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

6.हिन्दी व्याकरण, सहदेव चौधरी, मानस पब्लिकेशन प्रा. लि. जयपुर।

7.कहानी नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

8.हिन्दी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER- IV

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session - 2026-27&2027-28

MIL-2

Paper code: BAMILHIN2227T

हिन्दी साहित्य और व्याकरण

क्रेडिट-02

समय- डेढ घण्टा

कुल अंक-50

पास प्रतिशत- 35%

लिखित परीक्षा-35 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-15 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को आदिकाल के साहित्य व भक्तिकालीन कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों तथा शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी आदिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी आदिकाल के साहित्य व भक्तिकालीन कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड – क

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सामान्य परिचय, नामकरण एवं काल विभाजन।
2. आदिकाल का सामान्य परिचय, भक्तिकाल का सामान्य परिचय, रीतिकाल का सामान्य परिचय, आधुनिक काल का सामान्य परिचय।

खण्ड – ख

1. वाक्य संरचना- वाक्य के गुण, वाक्य के भेद(रचना और अर्थ के आधार पर)
2. हिन्दी शब्द भण्डार – तत्सम, तदभव,देशज, विदेशी (केवल सिद्धांतिक पक्ष), मुहावरे और लोकोक्तियां।

नोट -सप्ताह में दो पीरियड कम्पोजीशन को दिए जायेंगें, ग्रुप में विद्यार्थीयों की संख्या 05-07 तक रहेगी।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के पहले भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (6x2=12)
4. प्रश्न पत्र के दूसरे भाग मेंपाठ्यक्रमके खण्ड-ख में सेचार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (6x2=12)
5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। (1x11=11)

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण ,माध्यमिक शिक्षा परिषद् , उड़िशा।
5. हिन्दी प्रचीन प्रतिनीधी कवि, द्वारका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
7. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण माध्यमिक शिक्षा ,परिषद् ,ओड़िशा।
8. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. हिन्दी व्याकरण, सहदेव चौधरी, मानस पब्लिकेशन प्रा. लि. जयपुर।

SEMESTER-IV

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME(HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the session - 2026-27&2027-28

IDC/MDC-3

Paper code: BAIDCHIN2226T

हिन्दी की नव्यतर गद्य विधा - रेखाचित्र

क्रेडिट-03

समय- 3 घण्टे | कुल अंक-100

पास प्रतिशत- 35% | लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

उद्देश्य -:

1. विद्यार्थियों कीनव्यतर गद्य विधाएं के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को रेखाचित्र साहित्य से परिचित करवाना।
3. रेखाचित्र के मर्मस्पर्शी स्वरूप के बिम्बात्मक चित्रण से अवगत करवाना।

अधिगम प्रतिफल -:

1. विद्यार्थी रेखाचित्र साहित्य से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी मेंसंवेदना और आत्मीयता जागृति होगी।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड–क

1. रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप।
2. रेखाचित्र के तत्व,प्रकार और विकास

खण्ड- ख

1. निर्धारित पुस्तक- माटी की मूरतें (रेखाचित्र) रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना
   (प्रथम पांच – बुधिया, बलदेव सिंह, मंगर, सरजू भैया, भौजी)

Soraj Rani

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।
3. प्रश्न पत्र के पहले भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगें, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। (12x2=24)
4. प्रश्न पत्र का भाग दो

(i) भाग मेंपाठ्यक्रमके खण्ड-ख में सेचार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा। (12x2=24)

(ii) प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x11=22)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकसूची

1. हिन्दी रेखाचित्र – सिद्धांत और विकास, मक्खनलाल शर्म
2. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी
3. आधुनिक हिन्दी गद्य-साहित्य, हरदयाल
4. हिन्दी श्रेष्ठ रेखाचित्र, डॉ. चौथीराम यादव
5. रेखा और रंग, विनय मोहन शर्मा
6. रेखाचित्र, महादेवी वर्मा
7. हिन्दी साहित्य कोश, (सं.) धीरेन्द्र वर्मा
8. रेखाचित्र, बनारसीदास चतुर्वेदी